RPSC - (School Lecture)

History subject Paper 2025

(A.) Ancient Indian History

1. प्राचीन भारत के स्रोत: साहित्यिक, पुरातात्विक, विदेशी यात्रियों के विवरण

2. प्रागैतिहासिक और आद्य इतिहास:
   - पाषाण युग: पुरापाषाण युग, मध्यपाषाण युग, नवपाषाण युग और ताम्रपाषाण युग
   - धातु युग: ताम्र, कांस्य, लौह
   - महापाषाण
   - शैल कला

3. सरस्वती-सिंधु सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता): उत्पत्ति, विस्तार, पतन, पुरातात्विक स्थल, विशेषताएँ

4. वैदिक युग: वर्ण, आश्रम, संस्कार और पुरुषार्थ, राजनीति, समाज, अर्थव्यवस्था, धर्म और दर्शन।

5. राज्य गठन और शहरीकरण (महाजनपदों से नंदा तक)।

6. सिकंदर का आक्रमण और उसका प्रभाव।

7. छठी शताब्दी ईसा पूर्व का धार्मिक पुनरुत्थान (जैन धर्म, बौद्ध धर्म और अन्य)।

8. मौर्य साम्राज्य: स्थापना, विस्तार, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, धर्म, कला और वास्तुकला और पतन.

9. मौर्योत्तर युग: शुंग, कण्व, Indo-Greek, कुषाण, पश्चिमी क्षत्रप।

10. मौर्योत्तर काल में समाज, अर्थव्यवस्था और संस्कृति।

11. प्रायद्वीपीय भारत: साहित्य, समाज, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और शासन प्रणाली।
   - सातवाहन,
   - संगम युग,
   - चालुक्य, राष्ट्रकूट , पल्लव, चोल

12. गुप्त युग: राजनीतिक और सांस्कृतिक उपलब्धियाँ, समाज, अर्थव्यवस्था, विज्ञान और प्रौद्योगिकी।

13. प्राचीन भारत में शिक्षा प्रणाली।

14. धार्मिक प्रथाएं, मंदिर वास्तुकला और मूर्तिकला।

15. प्राचीन भारत में भारतीय संस्कृति का प्रसार: पश्चिम एशिया, मध्य एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया।

(B.) Pre Medieval Indian History

16. वर्धन वंश: राजनीतिक और सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।

17. प्रारंभिक मध्यकालीन भारत में समाज और सांस्कृतिक विकास।

18. आध्यात्मिक भक्ति - सातवीं शताब्दी से बारहवीं शताब्दी

(C.) Medieval Indian History

19. मध्यकालीन भारत के स्रोत।

20. दिल्ली सल्तनत: स्थापना, विस्तार, प्रशासनिक व्यवस्था, भू-राजस्व में नवाचार, समाज और वास्तुकला।

21. मुगल साम्राज्य की स्थापना और विस्तार तथा मुगल नीतियां: दक्कन, धार्मिक, राजपूत, उत्तर-पश्चिम; कला और वास्तुकला।

22. मुगलों के प्रशासनिक तंत्र में परिवर्तन: राजस्व तंत्र, सैन्य प्रशासन, मनसबदारी और जागीरदारी।

23. मध्यकालीन काल में दक्कन की क्षेत्रीय शक्तियां और उनकी उपलब्धियां।

24. आध्यात्मिक सुधार: बारहवीं शताब्दी से सोलहवीं शताब्दी तक भक्ति आंदोलन और सूफीवाद।

25. मराठों का उदय (शिवाजी से पेशवाओं तक, 1761 तक)।

(D.) Modern Indian History

26. क्षेत्रीय शक्तियों का उदय और भारत में औपनिवेशिक शासन की स्थापना (1707 से 1857)।

27. ब्रिटिश वर्चस्व का विकास।

28. 1857 का विद्रोह: प्रकृति, घटनाएँ, महत्व और परिणाम।

29. ब्रिटिश नीतियां और उनका प्रभाव: आर्थिक, प्रशासनिक और सामाजिक-सांस्कृतिक।

30. 19वीं शताब्दी में शिक्षा और प्रेस का विकास।

31. 19वीं और 20वीं शताब्दी में सामाजिक-धार्मिक सुधार।

32. भारतीय संवैधानिक विकास (1773-1950)।

33. राष्ट्रवाद का विकास (1857-1919)

34. गांधी युग: गांधी और राष्ट्रीय आंदोलन।

35. जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, मौलाना आजाद, वल्लभ भाई पटेल, सी. राजगोपालाचारी, राजेंद्र प्रसाद और भीम राव अंबेडकर की राष्ट्रीय आंदोलन में भूमिका और योगदान।

36. स्वतंत्रता की ओर अग्रसर, भारत का विभाजन।

37. राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास की समझ (स्वतंत्रता के बाद से 2000 तक)।

(E.) Rajasthan History

1. राजस्थान के इतिहास के स्रोत: पुरातात्विक, अभिलेखीय और साहित्यिक।

2. राजस्थान के प्रमुख पुरातात्विक स्थल।

3. राजस्थान के राजपूत राजवंशों का उदय।

4. सल्तनत काल के दौरान राजपूतों का प्रतिरोध।

5. मुगल काल के दौरान राजपूतों का प्रतिरोध

6. राजस्थान का प्रशासन और राजस्व तंत्र

7. 1857 के विद्रोह में राजस्थान की भूमिका।

8. राजस्थान में जनजातीय और किसान आंदोलन।

9. राजस्थान में जागृति: सामाजिक परिवर्तन और राजनीतिक जागृति।

10. राजस्थान का एकीकरण: इसके विभिन्न चरण।

(F.) Rajasthan Art & Culture

1. राजस्थान के धार्मिक सुधार

2. कला, वास्तुकला और चित्रकला

(G.) World History

1. पुनर्जागरण,

2. सुधार आंदोलन और प्रति-सुधार आंदोलन

3. यूरोप में औद्योगीकरण।

4. अमेरिकी, फ्रांसीसी, रूसी क्रांतियां और उनका प्रभाव

5. इटली और जर्मनी का एकीकरण।

6. प्रथम विश्व युद्ध: कारण, घटनाएँ और परिणाम।

7. राष्ट्र संघ

8. दो विश्व युद्धों के बीच का विश्व।

9. द्वितीय विश्व युद्ध: कारण, घटनाएँ और परिणाम।

10. UNO

11. विश्व युद्ध के बाद: 1949 की चीनी क्रांति,

12. शीत युद्ध और संघर्ष,

13. सोवियत संघ का विघटन।

14. NAM

15. नए रुझान और चुनौतियाँ (2000 तक): वैश्वीकरण, उदारीकरण और सामाजिक-पर्यावरणीय मुद्दे।

(H.) शिक्षणशास्त्र, शिक्षण-अधिगम सामग्री, शिक्षण-अधिगम में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग

1. शिक्षणशास्त्र और शिक्षण-अधिगम सामग्री (किशोरावस्था के शिक्षार्थियों के लिए अनुदेशात्मक रणनीतियाँ)

- संचार कौशल और विभिन्न मौखिक और गैर-मौखिक कक्षा संचार रणनीतियों का उपयोग।
- शिक्षण मॉडल - एडवांस ऑर्गेनाइज़र और पूछताछ प्रशिक्षण (सूचना प्रसंस्करण), समूह अन्वेषण (सामाजिक अंतःक्रिया), गैर-निर्देशात्मक मॉडल (व्यक्तिगत विकास)।
- शिक्षण के दौरान शिक्षण-अधिगम सामग्री की तैयारी और उपयोग।
- सहयोगात्मक अधिगम।

2. शिक्षण-अधिगम में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग

- ICT और डिजिटल अधिगम की अवधारणा
- ई-लर्निंग और वर्चुअल क्लासरूम।
- शिक्षण-अधिगम और मूल्यांकन में प्रौद्योगिकी का एकीकरण

*****

Ques. : 150 Marks : 300

Time : 03 Hours

ProfessorCampus